नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 154
दि. 03.10.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी के साथ बैठक आसान, यूरोपीय नेताओं से नहीं'; नीदरलैंड की कंपनी ने ईयू की नीतियों पर उठाए सवाल

ब्रसेल्स, (जीएनएस)।

भारत ने हाल ही में सेमीकंडक्टर निर्माण में बड़ा कदम बढ़ाया है। पिछले महीने पीएम मोदी को देश में बनी पहली चिप सौंपी गई। दिसंबर 2021 में मोदी सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरूआत की थी।

नीदरलैंड की दिग्गज सेमीकंडक्टर कंपनी एएसएमएल के वरिष्ठ अधिकारी फ्रैंक हेम्सकर्क ने यूरोपीय संघ (ईयू) की नीतियों पर सवाल उठाए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दो घंटे की मुलाकात को याद करते हुए हेम्सकर्क ने कहा कि यूरोपीय कंपनियों को ईयू के नेताओं से मिलना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ बैठक करना आसान है, लेकिन यूरोपीय नेताओं से नहीं।

ब्रसेल्स में आयोजित पोलिटिको के प्रतिस्पर्धी यूरोप शिखर सम्मेलन में

हेम्सकर्क ने कहा, कंपनी के सीईओ क्रिस्टोफ फौक्वेट की प्रधानमंत्री मोदी से घंटे तक मुलाकात हुई। डेढ़ घंटे तक हमारी बातें सुनने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि आप बहुत विनम्र हो, बताइए हम क्या बेहतर कर सकते हैं। एएसएमएल में ग्लोबल पब्लिक अफेयर्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष हेम्सकर्क ने कहा, व्हाइट हाउस में किसी वरिष्ठ अधिकारी से मिलना हो, वो ज्यादा आसान है, लेकिन इसके उलट यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और दूसरे नेताओं से मिलना बेहद कठिन है। यूरोपीय नेताओं को उन कंपनियों के साथ बैठना चाहिए, जो बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं। हेम्सकर्क ने हाल ही में फ्रांस की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी मिस्ट्राल के साथ एएसएमएल की 1.3 अरब यूरो की डील का भी जिक्र किया, जिसे यूरोप की तकनीकी स्वतंत्रता की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हीम्सकर्क ने बताया कि दोनों कंपनियां औद्योगिक एआई पर केंद्रित हैं, न कि भू-राजनीति पर।

भारत ने हाल ही में सेमीकंडक्टर निर्माण में बड़ा कदम बढ़ाया है। पिछले महीने पीएम मोदी को देश में बनी पहली चिप सौंपी गई। दिसंबर 2021 में मोदी सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरूआत की थी।

सीएम योगी के नेतृत्व में निकाली गई विजयादशमी की शोभा यात्रा, कहा- हर काम देश के नाम

गोरखपुरः (जीएनएस)।

सत्य, न्याय और धर्म की विजय प्रतिष्ठा के पावन महापर्व विजयदशमी के अवसर पर गुरुवार शाम गोरखनाथ मंदिर से, गोरक्षपीठाधीश्वर की पारंपरिक विजय शोभायात्रा आस्था के उल्लास, उमंग-तरंग की लहरों पर सवार होकर निकली. शोभायात्रा के रास्ते में सर्वसमाज की तरफ से हुई अगवानी, गोरक्षपीठ के मार्गदर्शन में सामाजिक ताने-बाने की मजबूती का संदेश दे रही थी.

अल्पसंख्यक समुदाय ने दिखाया उत्साहः गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली इस शोभायात्रा का अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने भी जबरदस्त उत्साह से स्वागत किया. पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर का मुस्लिम और सिंधी समाज के साथ ही सर्वसमाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया. पीठाधीश्वर योगी ने उन्हें आशीर्वाद दिया, मंगलमय जीवन की कामना की और शारदीय नवरात्र अनुष्ठान का प्रसाद दिया.

नाथ संप्रदाय की प्रमुख अनुष्ठान है विजयदशमी की शोभायात्राः गुरुवार को इस पावन पर्व पर शाम करीब सवा चार बजे से गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भव्य

शोभायात्रा निकाली गई. शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का पूजन कर और उनका आशीर्वाद लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ रथ रूपी विशेष वाहन में सवार हुए.

हनुमान दल ने दिखाया हैरतंगेजः करतबः इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे. नाथपंथ के विशेष वाद्ययंत्र नागफनी, तुरही, नगाड़े, डमरू व बैंड बाजे की धुन और श्रीश्री हनुमान दल के बालकों के हैरतंगेज करतब के बीच शोभायात्रा आगे बढ़ी. पूरे रास्ते दोनों किनारे पर श्रद्धा से भाव विभोर लोग गोरक्षपीठाधीश्वर की एक झलक पाने को आतुर दिखे.

जबकि संस्कृति विभाग के जरिये दस दलों के कलाकार अलग-अलग स्थान पर लोक संस्कृति की प्रस्तुतियों से शोभायात्रा का अभिनंदन कर रहे थे.

मुस्लिम और बुनकर समाज ने की पुष्पवर्षाः जैसे ही गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई वाली शोभायात्रा गोरखनाथ मंदिर से आगे बढ़ी, मुस्लिम और बुनकर समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया. उर्दू अकादमी के निवर्तमान अध्यक्ष चौधरी कैफुलवरा ने बुनकर व पसमांदा समाज की ओर से गोरक्षपीठाधीश्वर का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया. थोड़ी दूर आगे बुनकर वेलफेयर सोसायटी के लोगों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर का स्वागत किया. सिंधी समाज के लोगों ने किया स्वागतः इस दौरान रास्ते के दोनों तरफ बने मकानों पर बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे अपने मोबाइल फोन में सीएम योगी की तस्वीर खींचते रहे, वीडियो बनाते रहे. अभिवादन स्वीकार करने के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर का रथ आगे बढ़ा तो श्री दुर्गोत्सव समिति के पंडाल के सामने और श्री झूलेलाल मंदिर के सामने बड़ी संख्या में मौजूद सिंधी समाज के लोगों ने शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया. मानसरोवर मंदिर तक पूरे रास्ते में शोभायात्रा के स्वागत का सिलसिला चलता रहा.

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयादशमी (दशहरा) पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विजयादशमी का पर्व अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस दिन भगवान श्रीराम ने अधर्म, असत्य एवं बुराई के प्रतीक रावण का संहार किया था। सम्पूर्ण भारत में यह पर्व परम्परागत श्रद्धाभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम मर्यादा, सत्य, न्याय, शांति, परोपकार और लोक कल्याण के पर्याय हैं। नैतिक, मानवीय और सामाजिक मूल्यों के प्रतीक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन सद्मार्ग पर चलने एवं आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करता है।

अमेरिकी टैरिफ पर पुतिन बोले- भारत किसी के आगे झुकने वाला नहीं, पीएम मोदी कभी भी नहीं!

(जीएनएस)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को अमेरिका पर भारत और चीन पर मॉस्को के साथ ऊर्जा संबंध तोड़ने के लिए दबाव डालने के प्रयासों को लेकर हमला बोला। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदमों का आर्थिक रूप से उल्टा असर पड़ सकता है।

पुतिन ने रूस के सोची में वाल्दाई डिस्कशन क्लब के वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक भाषण के दौरान यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस के व्यापार भागीदारों पर उच्च टैरिफ लगाए जाते हैं, तो इससे वैश्विक कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें ऊंची रखनी होंगी।

अमेरिका ने अगस्त में भारत पर

अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया है, जिससे भारतीय निर्यात पर कुल कर 50% हो गया है। रूसी नेता ने, जो रूस विशेषज्ञों के एक मंच को संबोधित कर रहे थे, कहा कि "भारत और चीन खुद को अपमानित नहीं होने देंगे।"

अमेरिकी आ'न पर कि भारत रूसी ऊर्जा का त्याग करे, पुतिन ने कहा, "अगर भारत हमारी ऊर्जा आपूर्ति को अस्वीकार करता है, तो उसे निश्चित रूप से नुकसान होगा... मेरा विश्वास करें, भारत जैसे देश के लोग राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णयों पर बारीकी से नजर रखेंगे और किसी के सामने कभी भी कोई अपमान स्वीकार नहीं करेंगे।"

पुतिन ने आगे कहा कि उन्हें पता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे कोई कदम नहीं उठाएंगे। उन्होंने कहा, "मैं प्रधानमंत्री मोदी को जानता हूं, वह खुद ऐसे कोई कदम नहीं उठाएंगे।" पुतिन ने अमेरिका के यूरेनियम संबंधों का भी जिक्र किया, कहा कि जहां वाशिंगटन रूस से समृद्ध यूरेनियम खरीदता है, वहीं वह अन्य देशों से रूसी ऊर्जा उत्पाद खरीदना बंद करने का आ'न करता है।

भारत और चीन के बीच हुआ समझौता, कब शुरू हो रही डायरेक्ट फ्लाइट?

भारत और चीन के बीच सीधी यात्री उड़ानें अक्टूबर 2025 के अंत तक फिर से शुरू होने जा रही हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस बात की घोषणा की, जो दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देश इस साल की शुरूआत से सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने और हवाई सेवा समझौते को संशोधित करने के लिए तकनीकी स्तर की बातचीत कर रहे थे, जिस पर अब सहमति बन गई है।

संभल हिंसा स्थल पर खड़ी हुई 'सुरक्षा की नई दीवार', मासूम आयशा ने काटा पुलिस चौकी का रिबन; नारी शक्ति का अनोखा संदेश

संभल हिंसा स्थल पर नई पुलिस चौकी का उद्घाटन मासूम आयशा ने किया। नारी शक्ति और सुरक्षा व्यवस्था का नया प्रतीक बनी चौकी।

संभल में हिंसा स्थल पर बनी नई पुलिस चौकी

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हिंसा से प्रभावित स्थल पर अब सुरक्षा की नई पहचान खड़ी हो चुकी है। प्रशासन ने जिले में शांति व्यवस्था को मजबूत करने और लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के लिए यहां नई पुलिस चौकी का निर्माण कराया है। इस चौकी का उद्घाटन किसी बड़े नेता या प्रशासनिक अधिकारी ने नहीं बल्कि मासूम बच्ची आयशा ने किया। इस कदम ने समाज में नारी शक्ति के सशक्तिकरण और बेटियों के सम्मान का अनोखा संदेश दिया।

हिंसा की याद और नई शुरूआत

24 नवंबर को संभल में हुए उपद्रव की याद आज भी लोगों को सिहरन पैदा करती है। हिंदू पूरा खेड़ा पक्का बाग चौराहे पर उस दिन उपद्रवियों ने न केवल गोलियां चलाईं बल्कि इलाके को हिंसा की आग में झोंक दिया था। लेकिन वही स्थान अब सुरक्षा का किला बन चुका है। जिस जगह कभी गोलियों की आवाज गूंजी थी, वहां अब पुलिस चौकी की घंटियां गूंज रही हैं। इस चौकी का उद्घाटन बच्ची आयशा द्वारा किया जाना प्रतीकात्मक रूप से समाज में नई शुरूआत और शांति की ओर बढ़ते कदम का प्रतीक है।

प्रशासन की पहल और 39 नई चौकियां

संभल प्रशासन ने हिंसा के बाद सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए बड़ी योजना बनाई। इसी क्रम में जिले भर में 39 नई पुलिस चौकियां बनाने का निर्णय लिया गया। नखासा थाना क्षेत्र के हिंदू पूरा खेड़ा पक्का बाग चौराहे पर बनी यह चौकी उसी योजना का हिस्सा है। प्रशासन का कहना है कि इन चौकियों से न केवल अपराध पर लगाम लगेगी बल्कि नागरिकों को सुरक्षा का अहसास भी होगा।

चौकी उद्घाटन के मौके पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

अगर बालासाहेब होते तो हमारी पीठ थपथपाते', दशहरा रैली में एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे को भी घेरा

(जीएनएस)।

मुंबई गोरेगांव दशहरा मौके पर ठएरउड एग्जिबिशन सेंटर में शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट ने दशहरा रैली का आयोजन किया. इस दौरान पार्टी प्रमुख और महाराष्ट्र के डिप्टी ूं एकनाथ शिंदे ने शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे पर जमकर निशाना साधा.अपने भाषण के दौरान उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा, "मैं कपड़ों की इस्त्री और वैनिटी वैन लेकर घूमने वाला नहीं हूं और मैं ऑनलाइन मीटिंग लेने वाला भी नहीं हूं. एकनाथ शिंदे वर्क फ्रॉम होम वाला नहीं है आपका ये एकनाथ शिंदे और फेसबुक लाइव करने वाला तो बिलकुल ही नहीं."

(एबीपी न्यूज रिपोर्ट के अनुसार)

'बालासाहेब होते तो हमारी पीठ थपथपाते'

एकना शिंदे ने भाषण के दौरान कहा, "लोग कह रहे थे कि इतना बारिश उन्होंने पहले कभी नहीं देखा, इसलिए हमने निर्णय लिया कि आसपास के लोगों को ही बुलाया जाए. दसरा त्योहार बड़ा हर्षोल्लास का होता है,

कोई नुकसान का नहीं.लेकिन इस बार दसरे पर बाढ़ का साया है. हमने अपने अन्नदाता (किसान) की मदद करने का निर्णय लिया है. अगर बालासाहेब होते तो हमारी पीठ थपथपाते. स्थिति भयावह है. उन्हें अब मदद का हाथ नहीं देंगे तो कब देंगे."

'कुछ लोग केवल हाथ हिलाते हुए जाते हैं'

डिप्टी सीएम ने ये भी कहा, "विरोधियों को हमारे फोटो तो दिखते हैं, लेकिन उन पैकेटों में रखे सामान नहीं दिखते. क्या वे साधारण बिस्कुट का पैकेट तक लेकर गए? जब हमने मदद की और उसकी तस्वीरें लगाई, तब हमें अच्छा लगा. डॉक्टरों की टीम भी भेजी गई ताकि महामारी जैसी बीमारियां न फैलें. कुछ लोग केवल हाथ हिलाते हुए जाते हैं और लौटकर सिर्फ आलोचना करते हैं. उनके दौरे ऐसे होते हैं जैसे खुद को चाहिए काजू-बादाम, और पानी में उतरे तो सर्दी-जुकाम, आम जनता को कीचड़ में खड़ा किया गया, और उधर उनके पैरों में कीचड़ न लगे इसलिए रैंप लगाया गया, यह कैसी संवेदना?"

'बंद नहीं होगी लाडली बहन योजना'

वहीं शिवसेना प्रमुख ने कहा, मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना को लेकर अफवाहें फैलाई जा रही हैं, लेकिन मैं साफ कहता हूं कि यह योजना बंद नहीं होगी. 5 करोड़ लोगों को इसका लाभ मिला है. मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए काम किया, तभी 232 विधायक महायुती के जीते.

'मैंने किसानों की आंखों में आंसू देखे'

वहीं किसानों को लेकर एकनाथ शिंदे ने कहा, "मराठवाड़ा में कई जगहों पर बली राजा (किसान) संकट में हैं. आज का मेळावा सिर्फ मुंबई और ठाणे तक सीमित रखा गया. बली राजा का दुख बहुत बड़ा है. मैंने खुद अपनी आंखों से उनका दुख देखा है. ऐसी परिस्थिति में हमें किसानों की मदद करनी चाहिए."

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में खादी की खरीदारी की

मुख्यमंत्री ने 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' तथा ह्वोकल फॉर लोकल' के अभियान को वेग दिया

गांधीनगर, 02 अक्टूबरः मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में अहमदाबाद के थलतेज क्षेत्र में खादी की खरीदारी कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रेरित ह्वखादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' के अभियान में सहभागी हुए।

श्री पटेल ने स्वदेशी की प्रतीक समान खादी की खरीदारी कर ह्वोकल फॉर लोकल' तथा ह्वआत्मनिर्भर भारत' के सूत्रों को साकार करने की दिशा में अपना योगदान अर्पित किया।

उन्होंने थलतेज क्षेत्र में स्थित भारत खादी ग्रामोद्योग संघ की इकाई यश खादी एम्पोरियम तथा सिंधु भवन रोड पर स्थित खादी इंडिया की इकाई ओम खादी से अपने लिए खादी की खरीदारी की।

इस अवसर पर उप महापौर श्री जतिनभाई पटेल, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी सहित मनपा सदस्य तथा शहर भाजपा अग्रणी उपस्थित रहे।

मणिकर्णिका घाट पर पंडित छन्नूलाल मिश्र का अंतिम संस्कार, पोते राहुल मिश्र ने दी मुखाग्नि

काशी की धरती गुरुवार तड़के एक महान कलाकार से वंचित हो गई। शास्त्रीय संगीत के स्तंभ और पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का 89 वर्ष की आयु में मिजार्पुर में निधन हो गया। रात में उनका अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर हुआ, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पोते राहुल मिश्र ने रात 9 बजे मुखाग्नि दी और इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट रवि शंकर सिंह समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा। सुबह 4:15 बजे उन्होंने मिजार्पुर स्थित बेटी नम्रता मिश्र के घर अंतिम सांस ली। लंबे समय से स्वास्थ्य बिगड़ा हुआ था और हाल के महीनों में वे कई अस्पतालों में भर्ती रहे।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद में भाग लिया और यात्रियों से बातचीत की

यह पहल नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने और अमृत काल के दौरान स्टेशनों के आधुनिकीकरण में सहयोग प्रदान करने पर केंद्रित है ताकि एक विकसित, आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क बनाया जा सके

नई दिल्ली,

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिपादित अमृत काल के दृष्टिकोण और पंच प्रण के सिद्धांत के मार्गदर्शन में, रेल मंत्रालय ने विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत एक नई नागरिक-केंद्रित पहल शुरू की है। पिछले वर्ष भारतीय रेलवे में आयोजित रेल चौपाल से प्रेरित होकर, यह पहल अब अमृत संवाद के रूप में आयोजित की गई।

आज, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद में भाग लिया। अमृत संवाद के दौरान, उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और स्टेशनों पर किए गए विभिन्न सुधारों पर यात्रियों से फीडबैक लिया।

श्री सतीश कुमार ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 8 सफाई मित्रों को एवं 3 छात्रों को, जो स्वच्छता के थीम पर आयोजित पेंटिंग कंपटीशन के विजेता थे, सम्मानित किया।

अमृत संवाद रेलवे अधिकारियों और नागरिकों के बीच संवाद के लिए एक सीधा मंच प्रदान करता है, जिससे यात्रियों की प्रतिक्रिया, चिंताओं और सुझावों पर ध्यान दिया जा सके। अमृत संवाद पूरे भारतीय रेलवे में अमृत स्टेशनों एवं अनेक अन्य प्रमुख स्टेशनों पर 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

इस पहल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों पर किए गए सुधारों पर प्रकाश डाला जाएगा, जिनमें शामिल हैं:

- उन्नत प्रतीक्षालय और शौचालय।
- बेहतर लिफ्ट, एस्केलेटर और यात्री सूचना प्रणाली।
- मुफ़्त वाई-फाई और "एक स्टेशन एक उत्पाद" कियोस्क।
- भूनिर्माण और सौंदर्य संवर्धन।
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ और अन्य सुगम्यता उपाय।

अमृत संवाद आगे के सुधारों के लिए सुझाव भी एकत्र करेगा, जैसे:

- बेहतर यातायात और शहरी परिवहन प्रणालियों के साथ एकीकरण।
- अतिरिक्त यात्री सुविधाएँ।
- ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ समाधान।
- बेहतर प्लेटफॉर्म कवर और यात्रियों के लिए व्यक्तिगत सुविधाएँ।

यह पहल नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने, स्टेशनों के आधुनिकीकरण में सहयोग देने और अमृत काल के दौरान एक विकसित, आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क के लिए भारत के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य करने पर केंद्रित है।

"स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025" के दौरान, भारतीय रेलवे ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित हुई। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

स्वच्छता ही सेवा - 2025 (17.09.25 से 02.10.25) पर रिपोर्ट - भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छता गतिविधियाँ

अर्न्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर संगोष्ठी एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अधिवक्ताओं को गांधी जी के जीवन परिचय से सबक लेना चाहिए: जनपद न्यायाधीश

(जीएनएस)।

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के मंशानुसार प्रतिमा श्रीवास्तव, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में माह अक्टूबर 2025 के प्लान आफ एक्शन के अन्तर्गत आज दिनांक-02.10.2025 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय के सभागार कक्ष में गांधी जयन्ती परह्यह्य अर्न्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवसह्यह्य विषय

पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम जनपद न्यायाधीश महोदया एवं अन्य समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

अर्न्तराष्ट्रीय अंहिसा दिवस पर आयोजित संगोष्ठी का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी के द्वारा किया गया। संगोष्ठी में समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण, पत्रकार बंधु शामिल हुये।

प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश महोदया के द्वारा स्वच्छता, अंहिसा और स्वदेशी का संदेश देते हुए जनपद न्यायालय बाराबंकी की स्वच्छता के आधार स्तम्भ सफाई कर्मियों को अंगवस्त्र पहनाकर उनका सम्मान किया। सम्मान प्राप्त करने वालों में अजय, दिलीप कुमार, सोनू कुमार, मीना, संतोष कुमार, अंकित कुमार, बलराम अवस्थी, राघवेन्द्र, उर्मिला, अजय कुमार व बच्चे लाल शामिल थे। इन सभी सफाईकर्मियों को सम्मानित करने के पश्चात जिला जज ने इस सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यदि सफाईकर्मी कठिन परिश्रम ने करते तो जनपद न्यायालय इतना स्वच्छ नहीं होता। इसके पश्चात महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, उनके संघर्ष, उनकी कार्यप्रणाली, उनके कठोर तप इत्यादि के विषय में जानकारियां देते हुए सोहनलाल द्विवेदी की ह्ययुगावतार गांधीह्य शीर्षक से है चल पड़े जिधर दो डग मग में चल पड़े कोटि पग उसी ओर कविता सुनाते हुए अपनी संबोधन का समापन किया।

दरोगा मनोज कुमार सिपाही गुरमीत मोबाइल में मस्त मेला से बाइक चोरी दुकानदारों की लड़ाई में एक जख्मी।

(जीएनएस)।

पीलीभीत बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव कनपरी में हुई रामलीला में सोमवार को पुलिस की बड़ी उदासीनता व लापरवाही बरतने का एक वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हुआ है वायरल वीडियो में दरोगा मनोज कुमार गौतम और सिपाही गुरमीत मोबाइल में मस्त नजर आए,वही मेला दर्शकों की व्यवस्था की देखभाल करने की जिम्मेदारी को ड्यूटी में लापरवाह पुलिस ने किसान यूनियन के कार्यकताओं के कन्धे पर छोड़ कर स्वयं मोबाइल पर व्यस्त हो गए और मेले में एक के बाद एक नई घटनाएं उत्पन्न हुई। जिसमे थाना क्षेत्र के गांव हरूनगला उर्फ नौआ नगला निवासी शान मोहम्मद पुत्र बली मोहम्मद ने बताया कि वह मेला

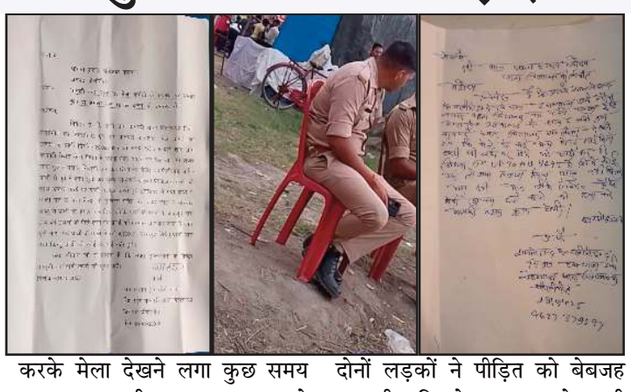

देखने आया और अपनी बाइक खड़ी करके मेला देखने लगा कुछ समय बाद बाइक की जगह पर गया तो देखा कि बाइक मौके से गायब थी काफी खोजबीन करने कराने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लगा तब पीड़ित ने थाना पुलिस को लिखित शिकायत की।उधर दो दुकानदारों में कहा सुनी हो गई जिसमें रामलखन पुत्र तोड़ी लाल ने बताया कि एक दुकानदार व उसके दोनों लड़कों ने पीड़ित को बेबजह मारा पीटा जिसके कारण उसके खुली व गुम चोटे आई है पीड़ित ने थाना पुलिस को लिखित शिकायत की लेकिन बड़े खेद की बात यह है कि दरोगा मनोज कुमार कार्यवाही करने की बजाह पीड़ित पर दबाव बना कर फैसला कराने का दबाव बना रहा है।पीड़ित का मेडिकल तक नहीं कराया ।मेला ड्यूटी में पुलिस मोबाइल में व्यस्त रही और मेला में एक के बाद एक नई घटनाएं सामने आई है। इन पुलिस वालों की मेला ड्यूटी के दौरान उदासीनता और बड़ी लापरवाही उजागर हुई है । अब देखना यह होगा कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले ऐसे दरोगा और सिपाही पर क्या कार्यवाही होती है। वही भाकियू भानु के जिला उपाध्यक्ष का कहना है कि हमारे संगठन के ग्राम अध्यक्ष पर हमला करने वाले पर और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले उक्त दरोगा सिपाही पर अगर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो मजबूर होकर भारतीय किसान यूनियन भानु इनके बिरुद्ध एक बड़ा आंदोलन धरना प्रदर्शन करने को विवश होगा

जल्द ही अल्टीमेट जारी किया जा सकता है।धरना प्रदर्शन की सारी जिम्मेदारी बिलसंडा पुलिस की होगी।

विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन

(जीएनएस)।

बीसलपुर। विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सरस्वती विद्या मंदिर प्रांगण में भव्य शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश जी, विद्यालय प्रबंधक विष्णु गोयल तथा पूर्व जिला संघ चालक राधेश्याम जी द्वारा ध्वज एवं शस्त्र पूजन से हुआ।

इस अवसर पर श्री सुरेश जी ने कहा कि संघ आज समाज के प्रत्येक क्षेत्र में सेवा प्रदान कर रहा है, जिसके कारण पूरा विश्व हमें सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने संघ के इतिहास, संघर्ष और महापुरुषों के बलिदान की प्रेरक घटनाओं का उल्लेख कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र मिश्रा ने किया। शस्त्र पूजन के उपरांत संघ प्रार्थना हुई और इसके बाद माधव बस्ती में भव्य पथ संचलन निकाला गया, जिसमें 500 से अधिक गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने अनुशासित ढंग से भाग लिया। जगह-जगह स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व जिला संघ चालक श्री पुरन लाल, जिला संघ चालक राम वीर, नगर संघ चालक तिलक राम, जिला प्रचारक अशोक, नगर प्रचारक सर्वेश, प्रांत सह व्यवस्था प्रमुख प्रवीण गोयल सहित सुशील शर्मा, अंकुर गुप्ता, दीपक, संजय सिंह, विशाल फौजी, रजनीश तिवारी, प्रशांत, अजीत, मृत्युंजय, अभिषेक, सौरभ, मुख्य शिक्षक रमेश पाल सिंह आदि की विशेष उपस्थिति और सहयोग रहा।

भीगी किशमिश के फायदे तो खूब सुन होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं भुनी हुई किशमिश खाने के फायदे

(जीएनएस)।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है, बात करें किशमिश की तो इसको भीगो कर खाने के फायदे तो आपने आज तक खूब सुने होंगे, लेकिन क्या आपने कभी भुनी हुई किशमिश के फायदों के बारे में सुना है. किशमिश यानी सूखे अंगूर का इस्तेमाल आमतौर पर मिठाइयों, खीर या स्नैक्स में किया जाता है. भीगी हुई किशमिश के फायदों की बात करें तो ये पाचन और खून की कमी जैसे कई स्वास्थ्य लाभ देती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भुनी हुई किशमिश भी आपकी सेहत के लिए उतनी ही फायदेमंद हो सकती है. अगर आप किशमिश को हल्की आंच पर घी या बिना घी के सेंककर खाते हैं तो इसका स्वाद तो बढ़ता ही है ये आपको कई स्वास्थ्य लाभ भी देती है.

भुनी हुई किशमिश खाने के फायदेः

1. पाचन तंत्र को रखे दुरुस्त

भुनी हुई किशमिश में फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है, इसका सेवन कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करती है. ये पेट को हल्का रखने और गैस की समस्या से राहत दिलाने में भी मदद करता है.

2. एनर्जी बूस्टर

अगर आपको दिनभर थकान महसूस होती है, तो सुबह या शाम को आप एक मुट्ठी भुनी हुई किशमिश का सेवन करने से आपको एनर्जी मिलती है. ये एनर्जी का एक अच्छा स्रोत बन सकता है. इसमें नेचुरल शुगर (ग्लूकोज और फ्रक्टोज) होती है जो शरीर को तुरंत एनर्जी देती है.

3. आयरन का बेहतरीन स्रोत

भुनी किशमिश का सेवन शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने में भी मदद करता है, ये आयरन से भरपूर होता है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने और खून की कमी (एनीमिया) से बचाने में मदद करती है.

ये भी पढ़ेंः चमकते सेब में छिपा है खतरा! जानिए वैक्स कोटेड सेब और असली सेब में कैसे करें पहचान

4. हड्डियों को मजबूत बनाएं

किशमिश में कैल्शियम और बोरॉन जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं जो हड्डियों को मजबूती देने में भी मदद करता है. भुनी हुई किशमिश का

नियमित तौर पर सेवन ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को भी कम कर सकता है.

5. मजबूत इम्युनिटी

किशमिश में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. इसको भूनने से इसकी गर्म तासीर और भी प्रभावी हो जाती है, जो सर्दी-खांसी और मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करती है.

6. वेट गेन के लिए हेल्दी स्नैक

अगर आप दुबले हैं और हेल्दी तरीके से वजन बढ़ाना चाहते हैं, तो भुनी हुई किशमिश एक बेहतरीन स्नैक है. इसे रोजाना दूध के साथ भी लिया जा सकता है.

कैसे खाएं भुनी हुई किशमिश?

सादी भुनी किशमिशः बिना तेल या घी के तवे पर हल्की आंच पर सेकें और स्नैक की तरह खाएं.

घी में भुनी किशमिशः थोड़ा देसी घी गरम करें और उसमें किशमिश को हल्का भून लें, जब तक वे फूले न, फिर खाएं.

दूध के साथः भुनी किशमिश को गुनगुने दूध के साथ लेने से पोषण और भी बढ़ जाता है.

किन बातों का रखें ध्यानः

डायबिटीज के मरीज सीमित मात्रा में ही लें, क्योंकि किशमिश में नैचुरल शुगर अधिक होती है.

ज्यादा मात्रा में सेवन करने से गर्मी बढ़ सकती है या मुंह में छाले हो सकते हैं.

विजय दशमी पर 'टीम लखनऊ' ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों और शहीद परिवारों के लिए खोला मदद का खजाना

भारत-पाक सीमा के अंतिम गाँव तक पहुँची 'टीम लखनऊ'

टीम लखनऊ ने शहीद सैनिकों के परिवारों को किया सम्मानित,गिरे घर के पुनर्निर्माण के लिए दी आर्थिक सहायता।

स्कूलों के छात्रों को बांटे गए स्कूल बैग,चिप्स, बिस्किट और चाकलेट शिक्षा और खुशी की किरण पहुँचाई।

'टीम लखनऊ' ने विजय दशमी पर पंजाब में बांटी 30 टन राहत सामग्री

लखनऊ त्योहारों के बीच,जहाँ लोग खुशियाँ मना रहे थे,वहीं 'टीम लखनऊ' ने मानवता की एक अनूठी मिसाल पेश की। विजय दशमी के पावन अवसर को सेवा पर्व में बदलते हुए, टीम ने बाढ़ से बेहाल पंजाब में एक सप्ताह तक विशाल राहत अभियान चलाया और करीब 30 टन सामग्री वितरित करके हजारों पीड़ितों के चेहरे पर मुस्कान लाई।

टीम लखनऊ ने अपने अभियान का समापन शहीद सैनिकों के परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध कराकर की,और उन्हें सम्मान भी दिया।इसके

साथ ही अमृतसर के एक गाँव में बाढ़ से जिनका घर पूरी तरह गिर गया था, उस कंवलजीत और हरजीत कौर के परिवार को टीम ने नया आशियाना बनवाने के लिए तत्काल आर्थिक सहायता देकर सहारा दिया।

राहत अभियान के अंतिम दिन टीम के सदस्य भारत-पाकिस्तान सीमा के आखिरी पिंड (गाँव) चंदू नगर जोड़ियां खुर्द जैसे अत्यधिक दुर्गम स्थानों पर पहुँचे।बाढ़ ने यहाँ की सड़कें बहा दी थीं और मकान टूट गए थे।भारतीय सेना के उल्लेखनीय सहयोग से टीम यहाँ पहुँचने में सफल रही,जहाँ ग्रामीणों ने राहत सामग्री पाकर लखनऊ वासियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया।

बच्चों के लिए खुशियों का खजाना

सरकारी एलिमेंट्री स्मार्ट स्कूल पिंड कोटली के बच्चों के लिए टीम ने विशेष व्यवस्था की। उन्हें स्कूल बैग, चिप्स, बिस्किट और चॉकलेट बांटे गए, जिससे उनकी पढ़ाई और बचपन प्रभावित न हो।

टीम द्वारा वितरित की गई व्यापक राहत सामग्री में राशन,तिरपाल, मच्छरदानी,चप्पल, दवाईयां, नए कपड़े, डाइपर, सेनेटरी पैड, आदि आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं।

ये यह सारा नेक काम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, समाजसेवी मुरलीधर आहूजा और निगहत खान की सरपरस्ती में पूरा हुआ।टीम लखनऊ ने यह साबित कर दिया कि इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है और संकट के समय एक-दूसरे का साथ देना ही देश की असली भावना है।राहत अभियान में टीम लखनऊ लीडर,मुर्तजा अली,संयुक्त सचिव जुबैर अहमद,संस्थापक सदस्य कुदरत उल्लाह खान,मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद,जसबीर गांधी,वामिक खान,इरफान शेख,शाहबाज खान आदि शामिल थे।

'मेरे दोनों पार्टनर..', दो भाइयों के साथ शादी करने वाली दुल्हन ने पहली बार तोड़ी चुप्पी और क्या कहा? एक के विदेश जाने पर आया रिएक्शन

नाहन. हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में दो भाइयों ने एक दुल्हन से शादी की थी. इस पर खासी चर्चा हुई. कई दिन तक दोनों भाइयों ने इस मसले पर प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन फिर वीडियो जारी किया और एक ही युवती से शादी की वजह भी बताई. हालांकि, इस दौरान उनकी दुल्हन ने कभी प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन अब उसकी ओर से भी सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं जाहिर की गई है.

दरअसल, बुधवार को एक भाई कपिल नेगी विदेश अपनी नौकरी पर लौट गया और बहरीन जाने की सूचना सोशल मीडिया दी. इस पर प्रदीप नेगी ने लिखा कि भाई, बचपन से अब तक की हर याद तेरे साथ ही जुड़ी है. स्कूल जाते वक्त का तेरा साथ, माँ की डाँट से बचाने का तेरा अंदाज, और तेरे बिना तो हर त्यौहार अधूरा लगता है. आज तू विदेश चला गया है, पर सच कहूँ तो तेरे बिना घर की रौनक जैसे खो सी गई है. हंसीझमजाक करने वाला तू अब सामने नहीं है, बस तेरी यादें दिल को तसल्ली देती हैं. भाई, ये

दूरी चाहे कितनी भी बड़ी हो जाए, पर दिल की दुआएँ और मोहब्बत हमेशा तेरे साथ रहेंगी. जल्दी लौट आ, तेरी हंसी और तेरे बिना अधूरी हमारी ज़िंदगी को फिर से पूरा करने. मेरे प्यारे भाई मिस यू

वहीं, प्रदीप और कपिल की दुल्हन सुनीता ने भी अपने प्यार का इजहार किया और प्रतिक्रिया दी और लिखा कि हर नई चीज अच्छी लगती है, पर, तेरी पुरानी यादें को बेहद अच्छी लगती है. मिस यू बोथ ऑफ माई पाटनर्स एंड लव यू!

गौरतलब है कि हाल में प्रदीप नेगी और कपिल नेगी के पिता की मौत हो गई थी. इस पर भी दोनों भाइयों ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयान किया था. दोनों के पिता को कैंसर की बीमारी थी और उनका निधन बीते माह हो गया था.

जोड़ीदार प्रथा के तहत की थी शादी

सिरमौर के शिलाई गांव के रहने वाले प्रदीप और कपिल ने 13 जुलाई को एक ही युवती सुनीता से शादी की थी. जौड़ीदार प्रथा के तहत यह शादी हुई थी, जिसका प्रचलन सिरमौर और उतराखंड में है. शादी की चर्चा देशभर में हुई थी और दोनों भाई मीडिया की सुर्खियां बने थे. सिरमौर जिले में हाटी समुदाय में एक महिला के कई भाइय¨ ¨ के साथ शादी करने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है. कई बार तो एक महिला की पांच भाइयों से भी शादी हुई है और इसे पांचली प्रथा भी कहा जाता है.

'राम की नगरी में मुस्लिमों की रामलीला, गंगा-जमुनी तहजीब की अनोखी मिसाल'

अयोध्याः राम की नगरी अयोध्या में दशहरे पर मंच सजता है, लेकिन इस मंच की सबसे खास बात यह है कि इसमें न राम हिंदू होते हैं, न रावण. बल्कि यहां हनुमान से लेकर रावण तक, पूरी रामलीला के किरदार मुस्लिम युवा निभाते हैं. यह परंपरा कोई आज की नहीं, बल्कि 1963 से

लगातार 62 सालों से निभाई जा रही है.

सांप्रदायिक सौहार्द की अनोखी मिसाल

मुमताज नगर में आयोजित होने वाली इस रामलीला का खर्च भी पूरा मुस्लिम समुदाय उठाता है। रामायण समिति के अध्यक्ष डॉ. सैयद माजिद अली बताते हैं कि यह परंपरा हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है. यहां मुस्लिम युवक गर्व से रावण, सैनिकों और साधुओं की भूमिका निभाते हैं, जबकि राम, सीता और लक्ष्मण जैसे पूजनीय पात्र अलग से निभाए जाते हैं.

धन की परवाह किए बिना निभाते हैं जिम्मेदारी

गांव की लगभग 1000 आबादी में 700 से अधिक मुस्लिम रहते हैं और सभी अपनी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना योगदान देते हैं. जो लोग पैसा नहीं दे पाते, वे रामलीला की तैयारी में हाथ बंटाते हैं. इस साल धन की कमी के कारण रामलीला 10 दिन की जगह 7 दिन तक ही चल पाई.

मोहम्मद नसीम कहते हैं, 'हमें इस परंपरा पर गर्व है, यह न सिर्फ हमारे हिंदू भाइयों की सेवा है, बल्कि असल मायनों में सांप्रदायिक सौहार्द की झलक है.

शस्त्र पूजन एक धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन : योगेश

(जीएनएस)।

प्रयागराजः विजयादशमी के अवसर पर प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने केसर भवन में शस्त्र पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया था।

इस आयोजन में विभिन्न प्रकार के शस्त्रों पर टीका लगाई गई और उन्हें विधिवत पूजा अर्चना की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य धर्म रक्षा की भावना को पुष्ट करना तथा हिंदू समाज को सांस्कृतिक व धार्मिक चेतना देना माना जाता है। इसके अतिरिक्त, हाल ही में 1 अक्टूबर 2025 को जसरा, कांटी (प्रयागराज जिले में) में विहिप और बजरंग दल के संयुक्त कार्यक्रम में शस्त्र पूजन एवं कन्या पूजन किया गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

एशिया कप ट्राफी टीम इंडिया ने नहीं ली

एशिया कप में भारत की बादशाहत बरकरार रही। रविवार को दुबई में खचाखच भरे स्टेडियम में टीम इंडिया ने पाक को पांच विकेट से हराकर नौवीं बार एशिया कप अपने नाम किया। यह मैच जितना रोमांचक फील्ड पर था उतना ही रोमांचक मैच खत्म होने के बाद रहा। कांटे का मुकाबला देखने को मिला। आखिरी ओवर तक यह नहीं पता लग रहा था कि जीत किसकी होगी? इस मुकाबले में पाकिस्तान ने इस एशिया कप की सबसे शानदार ओपनिंग की। पाकिस्तान का एक समय में 113 रन पर सिर्प एक विकेट थी। लेकिन अंतिम ओवरों में उन्होंने 33 रन ही बनाकर अपनी 9 विकटें गंवा दी। भारतीय गेंदबाजों में सबसे सफल रहे वुलदीप यादव जिन्होंने वुल 30 रन देकर 4 विकटें लीं, पर महत्वपूर्ण पल तब था जब वरुण चव्रवर्ती ने ओपनिंग जोड़ी को तोड़कर साहिबजादा फरहान को आउट किया। यह गेम का टर्निंग प्वाइंट था। पाकिस्तान 19.1 ओवर में वुल 146 रन ही बना पाया। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अभिषेक शर्मा दूसरी बॉल पर ही आउट हो गए, जिससे सबसे ज्यादा उम्मीद थी। कप्तान सूयंवुंमार यादव एक बार फिर फिसड्डी साबित हुए और 1 रन ही बनाकर निकल लिए। भारत अब मुश्किल में था। पाकिस्तान का पलड़ा भारी हो गया था पर तिलक वर्मा, संजू सैमसन और शिवम दूबे ने मोर्चा संभाला और अंतिम ओवर में तिलक के छक्के और रिंवू सिंह के चौके ने एशिया कप भारत के नाम कर दिया। बेशक मैदान में व्रिकेट का मैच तो यहीं खत्म हो गया पर एक दूसरा नाटक आरंभ हो गया। भारत ने जैसा पूर्व मैचों में हुआ था पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया।

यही नहीं टीम इंडिया ने एशिया कप ट्राफी भी नहीं ली। दरअसल फाइनल के बाद टीम इंडिया ने साफ मना कर दिया था कि वह पाकिस्तानी सरकार के मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे, लेकिन एशियन व्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष होने के नाते ट्राफी देने की जिद पर अड़े रहे। इसके चलते पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन भी काफी देरी से शुरू हुईं। जब भारतीय टीम के मेडल और ट्राफी लेने की बात आईं तो साइमन डूल ने कहा कि देवियों और सज्जनों, मुझे एशियाईं व्रिकेट परिषद ने सूचित किया है कि भारतीय व्रिकेट टीम आज अपने पुरस्कार नहीं ले पाएगी तो मैच के बाद की प्रस्तुती यहीं समाप्त होती है। भारतीय टीम ने ट्रॉफी लेने से इंकार किया तो मोहसिन नकवी ट्रॉफी और मेडल लेकर अपने होटल चले गए। हालांकि उन्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं था। यह ट्रॉफी न तो उनकी थी न ही पाकिस्तान की। बीसीसीआईं के सचिव देवजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हम ऐसे व्यक्ति से ट्रॉफी स्वीकार नहीं कर सकते जो ऐसे देश का प्रतिनिधित्व करता है जो हमारे देश के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है और खुलेआम परमाणु बम हम पर गिराने की वकालत करता है। टीम इंडिया के इस पैसले का पूरे देश ने तहेदिल से स्वागत किया है। ट्रॉफी से कहीं ज्यादा तिरंगा, आत्मसम्मान मैटर करता है। ट्रॉफियां तो आती-जाती रहती हैं। भारतीय कप्तान सूयंवुंमार यादव ने मैच के बाद एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया। पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर नौंवी बार यह खिताब जीतने के बाद सूयंवुंमार यादव ने घोषणा की वह टूनामेंट में खेले गए अपने सभी मैचों की पूरी फीस भारतीय सेना को दान कर देंगे।

यह उनके लिए और पूरी टीम के लिए भावनात्मक और देशभक्ति पूर्ण पल था। भारतीय व्रिकेट वंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआईं) ने टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपए की घोषणा की है। अगर यह ट्रॉफी भारत के पक्ष में आईं तो हमें वुछ खिलाड़ियों के विशेष योगदान की सराहना करनी होगी। वुलदीप यादव ने इस फाइनल मैच में न केवल 30 रन देकर 4 विकेट ही लिए बल्कि भारत की तरफ से टी-20 फाइनल में सबसे बेस्ट बॉलिंग करने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने एक साथ इरफान पठान, चहल, हार्दिक और आरपी सिंह का रिकार्ड तोड़ दिया। अगर हम बल्लेबाजी की बात करें तो तिलक वर्मा का योगदान कभी न भूलने वाली पारी थी। भारत की जीत का तिलक असल में तिलक वर्मा को लगाना चाहिए। भारत की जीत के हीरो तिलक वर्मा रहे। पूरे टूनामेंट में भारत ने पाक पर जीत की हैट्रिक लगाईं। तिलक वर्मा ने भारत की पारी तब संभाली जब टीम इंडिया हार के कगार पर खड़ी थी और पाकिस्तानियों को लग रहा था कि वह जीत गए हैं।

कौन हैं जेडीयू विधायक संजीव कुमार, जो आरजेडी में होंगे शामिल, अथाह संपत्ति के हैं मालिक

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राजनीति में तेज हलचल शुरू हो गई है। खगड़िया जिले की परबत्ता सीट से जदयू के विधायक डॉ. संजीव कुमार ने 3 अक्टूबर को अपने हजारों समर्थकों के साथ आरजेडी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है।

इस कदम को लेकर पूरे इलाके में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि संजीव कुमार का यह कदम न सिर्फ जदयू के लिए बड़ा झटका है बल्कि आरजेडी के लिए खगड़िया और आसपास की सीटों पर नई उम्मीदें भी जगा सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं डॉ. संजीव कुमार के बारे में।

कौन हैं डॉ. संजीव कुमार?

परबत्ता से विधायक डॉ. संजीव कुमार राजनीति में नए चेहरों में गिने जाते हैं, लेकिन उनका परिवार लंबे समय से इस इलाके की राजनीति में बड़ा नाम रहा है।

डॉ. संजीव कुमार, पूर्व मंत्री और पांच बार के विधायक रहे डॉ. रामानंद प्रसाद सिंह (आरएन सिंह) के बेटे हैं। उनके पिता जदयू के मजबूत स्तंभ माने जाते थे और नीतीश सरकार में परिवहन मंत्री भी रहे। इसीलिए जब संजीव कुमार 2020 में परबत्ता सीट से पहली बार विधायक बने, तो लोगों को इसमें परिवार की मजबूत पकड़ का बड़ा योगदान दिखाई दिया।

- डॉ. संजीव कुमार शिक्षा और पेशेवर पृष्ठभूमि

डॉ. संजीव कुमार का जन्म 8 नवंबर 1979 को पटना में हुआ। वे पढ़ाई में शुरू से ही तेज रहे। उन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल और सेठ जी.एस. मेडिकल कॉलेज से की। राजनीति में आने से पहले वे डॉक्टर के रूप में काम करते रहे और आज भी पटना में उनका एक डायग्नोस्टिक सेंटर चलता है। इस मेडिकल बैकग्राउंड के कारण उन्हें हेल्थ सेक्टर से जुड़े मुद्दों की गहरी समझ है और विधानसभा में भी उन्होंने कई बार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की मांग की।

विधायक के तौर पर कामकाज

2020 में पहली बार विधायक बनने के बाद डॉ. संजीव कुमार ने अपने क्षेत्र में कई विकास कार्य करवाए। उन्होंने गोगरी-जमालपुर में नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और अधूरी योजनाओं को पूरा करने पर जोर दिया।

वे खास तौर पर अगवानी घाट-सुल्तानगंज पुल की टूटी संरचना को

लेकर लगातार सक्रिय रहे। उन्होंने सीएम को ज्ञापन सौंपकर पुल का पुनर्निर्माण कराने की मांग की और इसकी अहमियत लोगों के सामने रखी। इसके अलावा उन्होंने बेतिया मेडिकल कॉलेज का नाम महारानी जानकी कुंवर के नाम पर रखने की भी मांग की थी।

डॉ. संजीव कुमार की संपत्ति

डॉ. संजीव कुमार की कुल चल और अचल संपत्ति 19 करोड़ 87 लाख रुपये की है। उनके ऊपर एक करोड़ रुपये से ज्यादा की देनदारियां हैं।

डॉ. संजीव कुमार ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में 84 लाख रुपये जमा किए हैं। कंपनियों में बांड, डिबेंचर और शेयर में एक करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश है।

डॉ. संजीव कुमार ने एलआईसी या अन्य बीमा पॉलिसियों में 49 लाख रुपये निवेश किए हैं। उनके पास दो-तीन कार हैं, उनकी कुल कीमत एक करोड़ रुपये के आसपास है। डॉ. संजीव कुमार के पास 45 लाख रुपये के सोने, चांदी और हीरे के गहने हैं।

नाराजगी और बदलते समीकरण

बीते कुछ महीनों से डॉ. संजीव कुमार की एनडीए से नाराजगी खुलकर सामने आ रही थी। वे लगातार पार्टी और सरकार के कार्यक्रमों से दूरी बना रहे थे। 25 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खगड़िया दौरे में उनकी गैरहाज़िरी और 27 सितंबर को परबत्ता में जदयू के कार्यकर्ता सम्मेलन से गायब रहना इस बदलाव का साफ संकेत माना जा रहा था।

डॉ. संजीव कुमार अपने बेबाक अंदाज और मुद्दों पर स्पष्ट राय रखने के लिए जाने जाते हैं। किसानों की समस्याएं हों, जमीन विवाद हो या सरकारी प्रोजेक्ट्स में गड़बड़ी, उन्होंने सत्ता पक्ष में रहते हुए भी अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने से परहेज नहीं किया। यही वजह है कि उन्हें आम लोगों के बीच एक अलग पहचान मिली।

बड़ा फैसला?

डॉ. संजीव कुमार का राजद में शामिल होना इसलिए अहम है क्योंकि परबत्ता क्षेत्र जदयू के लिए परंपरागत गढ़ माना जाता है। यहां से उनके पिता कई बार विधायक रह चुके हैं। ऐसे में संजीव कुमार का आरजेडी में जाना जदयू की पकड़ को कमजोर कर सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तेजस्वी यादव की आरजेडी को खगड़िया और आसपास की सीटों पर मजबूत आधार की जरूरत है। डॉ. संजीव का साथ मिलने से पार्टी को न सिर्फ संगठनात्मक मजबूती मिलेगी बल्कि इलाके की सवर्ण राजनीति में भी एक नया कार्ड खुलेगा।

डॉ. संजीव कुमार की एंट्री से खगड़िया और परबत्ता का चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके हजारों समर्थक किस हद तक आरजेडी को फायदा पहुंचाते हैं और क्या वाकई वे 2025 के चुनाव में किंगमेकर की भूमिका निभा पाएंगे। एक तरफ जदयू अपने पुराने गढ़ को बचाने की कोशिश करेगी, वहीं दूसरी तरफ आरजेडी इसे भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

तेज प्रताप के 5 साथी बदल देंगे चुनावी खेल? जानिए गठबंधन की 6 पार्टियों की ताकत और पूरा गणित

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत में इस बार एक नया मोड़ आया है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपनी अलग राजनीतिक राह पर चल पड़े हैं। आरजेडी से अलग होकर उन्होंने न सिर्फ जनशक्ति जनता दल नाम की पार्टी बनाई, बल्कि पांच और छोटी-छोटी पार्टियों को साथ जोड़कर सामाजिक न्याय लोकतांत्रिक गठबंधन खड़ा कर दिया। दावा है कि ये गठबंधन 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और तेज प्रताप खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचेंगे।

लेकिन बड़ा सवाल है-तेज प्रताप के पांच साथी कितने मजबूत हैं? क्या ये गठबंधन वोट खींच पाएगा या फिर ये सिर्फ कागज पर बनी सियासी कहानी रह जाएगी? आइए, जानते हैं एक-एक पार्टी की ताकत और हकीकत।

तेज प्रताप की नई पारी और गठबंधन का खाका

तेज प्रताप यादव ने आरजेडी से अलग होने के बाद राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने का ऐलान किया। उनके गठबंधन में कुल 6 पार्टियां हैं,

1. जनशक्ति जनता दल (तेज प्रताप यादव)
2. प्रगतिशील जनता पार्टी (मनोरंजन श्रीवास्तव)
3. संयुक्त किसान विकास पार्टी (सूरज प्रकाश)
4. विकास वंचित इंसान पार्टी (प्रदीप निषाद)
5. वाजिब अधिकार पार्टी (विद्यानंद राम)
6. भोजपुरिया जन मोर्चा (भरत सिंह)

दिलचस्प ये है कि इनमें से कई पार्टियों का कोई मजबूत जनाधार नहीं है और तीन पार्टियां पहली बार चुनावी मैदान में उतर रही हैं। बावजूद इसके दावे 50 से 100 सीट जीतने के किए जा रहे हैं।

वाजिब अधिकार पार्टी - अब तक बस नाम का असर

विद्यानंद राम की वाजिब अधिकार पार्टी 2017 में बनी और 2020 में चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में

आई। पिछले विधानसभा चुनाव में 12 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन कहीं भी 4-5 हजार से ज्यादा वोट नहीं मिले। 2024 लोकसभा चुनाव में तीन सीटों पर उतरे तो कुल वोट बैंक मुश्किल से 20-25 हजार का ही रहा। यानि पार्टी का अस्तित्व ज्यादा बड़ा नहीं है।

- संयुक्त किसान विकास पार्टी -नालंदा से मिली थोड़ी पहचान

सूरज प्रकाश की पार्टी 2020 विधानसभा चुनाव में 8 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन सभी जगह जमानत जब्त हो गई। हालांकि लोकसभा चुनाव में नालंदा सीट पर तीसरे नंबर पर रहकर पार्टी को थोड़ी पहचान मिली। यहां उनके उम्मीदवार को 25 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। सूरज प्रकाश का दावा है कि इस बार उनकी पार्टी 35 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, खासकर शाहाबाद और मगध इलाके में।

हाईकोर्ट के वकील की सियासत

मनोरंजन श्रीवास्तव हाईकोर्ट के वकील हैं और उनकी प्रगतिशील जनता पार्टी 2015 में बनी थी। 2020 में सिर्फ तीन सीटों पर लड़ी थी। इस बार श्रीवास्तव खुद दीघा और बांकीपुर से चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। उनका दावा है कि गठबंधन 100 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। हालांकि पार्टी का ग्राउंड पर असर बेहद सीमित माना जाता है।

- विकास वंचित इंसान पार्टी - श्ख्ढ से अलग होकर बना नया संगठन

प्रदीप निषाद ने श्ख्ढ चीफ मुकेश सहनी से अलग होकर 2024 में विकास वंचित इंसान पार्टी (श्ख्ढ) बनाई। निषाद खुद को असली "मल्लाह नेता" बताते हैं और कहते हैं कि अब तक हर पार्टी ने निषाद समाज के साथ छल किया है। पार्टी का ढांचा अभी नया है, लेकिन दावा है कि बूथ स्तर पर संगठन खड़ा कर लिया गया है।

सिर्फ आरा तक सीमित

भरत सिंह की बनाई ये पार्टी भोजपुर इलाके तक सीमित है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर इसका रजिस्ट्रेशन जुलाई 2022 में ही दिखता है। इसका असर ज्यादा बड़ा नहीं है और न ही कोई बड़ा चेहरा सामने है।

तेज प्रताप की असली चुनौती

तेज प्रताप की खुद की पार्टी भी पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही है। हालांकि महुआ सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का उनका अनुभव रहा है, लेकिन अकेले दम पर वोट बैंक जुटा पाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। खासकर तब, जब लालू-तेजस्वी का जनाधार पहले से ही आरजेडी के साथ है।

गठबंधन का ग्राउंड रियलिटी चेक

अगर जमीन पर देखा जाए तो तेज प्रताप के गठबंधन का वोट बैंक बहुत बिखरा हुआ है। किसी पार्टी के पास मजबूत जातीय आधार नहीं है।

वोट प्रतिशत अब तक हर जगह 2-5 हजार के बीच रहा है। तीन पार्टियां पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। फिर भी दावा किया जा रहा है कि गठबंधन 243 सीटों पर उतरेगा और 100 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा।

तेज प्रताप यादव और उनके पांच साथियों का गठबंधन राजनीतिक चर्चा में जरूर है, लेकिन असलियत यह है कि बिहार की राजनीति जातीय समीकरण और जनाधार पर टिकी होती है। न वोट बैंक, न जनाधार और न ही कोई बड़ा चेहरा, इन परिस्थितियों में तेज प्रताप का गठबंधन फिलहाल चुनावी नैया पार कराने के बजाय बस सुर्खियों में बने रहने का जरिया दिख रहा है।

तेज प्रताप की इस नई सियासी पारी को "राजनीति का प्रयोग" कहा जा सकता है। चुनावी नतीजे क्या होंगे, ये तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन फिलहाल उनके 5 साथी दमदार से ज्यादा कमजोर ही दिख रहे हैं।

नाजायज बेटी हैं ऋषि कपूर की? बाबी फिल्म के सेट से निकला डिंपल की प्रेग्नेंसी का राज!

बॉलीवुड की 'मिसेज फनीबोन्स' ट्विंकल ने हाल ही में एक पुराना किस्सा शेयर किया, जिसमें ऋषि कपूर ने उनके जन्मदिन पर ऐसा ट्वीट किया कि इंटरनेट पर हंगामा मच गया।

मजाक में ऋषि ने ट्विंकल को अपनी 'नाजायज बेटी' बता दिया, और लोग सचमुच मान बैठे कि 1973 की फिल्म 'बॉबी' के गाने 'अक्सर कोई लड़का' के वक्त ट्विंकल, डिंपल कपाड़िया के पेट में थीं। आइए जानते हैं क्या है इसके पीछे का सच?

बात है ट्विंकल खन्ना के एक जन्मदिन की, जब ऋषि कपूर ने अपनी चिर-परिचित मस्ती में ट्वीट किया- 'हैप्पी बर्थडे डियर ट्विंकल! 1973 में 'बॉबी' में जब मैं तुम्हारी मम्मी डिंपल के लिए 'अक्सर कोई लड़का' गा रहा था, तुम उनके पेट में थीं, हाहा!' ये ट्वीट ऐसा बम बना कि सोशल मीडिया पर लोग कन्फ्यूज हो गए। कईयों को लगा - अरे, क्या ट्विंकल ऋषि और डिंपल की 'नाजायज बेटी' हैं?

ट्विंकल ने हाल ही में काजोल और वरुण धवन के साथ 'टू मच' इवेंट में इस किस्से को याद करते हुए ठहाके लगाए। उन्होंने कहा, 'आलिया के ससुर (ऋषि) ने मुझे लगभग कपूर बना दिया। उनके ट्वीट से लोग सोचने लगे मैं उनकी 'नाजायज बेटी' हूं। फिर उन्हें सफाई देनी पड़ी - 'अरे, सॉरी, गलतफहमी हो गई।'

काजोल ने हंसते हुए आलिया के अजीब रिएक्शन की नकल की, तो ट्विंकल ने चुटकी ली, 'मैं तुम्हारी भाभी नहीं, ये बस मजाक था।' वरुण ने मजे लेते हुए कहा, 'आलिया को समझ ही नहीं आया कि रिएक्ट कैसे करे।'

जब ट्वीट से हंगामा मचा, तो ऋषि कपूर को तुरंत सफाई देनी पड़ी। उन्होंने लिखा, 'लोगों को क्या प्रॉब्लम है? राज कपूर और डिंपल की शादी मार्च 1973 में हो चुकी थी। 'बॉबी' की शूटिंग चल रही थी, और उस गाने के वक्त डिंपल 3 महीने की प्रेग्नेंट थीं। 'बॉबी' 28 सितंबर 1973 को रिलीज हुई, और ट्विंकल का जन्म 29 दिसंबर 1973 को हुआ।' सब साफ। लेकिन ऋषि की ये मस्ती उनके फैंस को आज भी हंसाती है।

1973 की 'बॉबी' राज कपूर की ड्रीम प्रोजेक्ट थी, जिसमें 23 साल के ऋषि कपूर और 16 साल की डिंपल कपाड़िया ने धमाल मचाया। 'हम तुम एक कमरे में बंद हों' और 'अक्सर कोई लड़का' जैसे गानों ने यूथ को दीवाना बना दिया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 11 करोड़ कमाए - उस दौर में ये एक रिकॉर्ड था। डिंपल और ऋषि की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इतनी हिट थी कि ट्विंकल का जन्मदिन ट्वीट लोगों को 'रियल लाइफ' रोमांस की गलतफहमी दे गया।

ट्विंकल का ह्यूमर और ऋषि की मस्ती

ट्विंकल, जो अपनी किताबों और कॉलम्स में ह्यूमर की चाशनी डालती हैं, इस किस्से को सुनाकर फैंस को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर रही हैं। ऋषि कपूर की चुलबुली अदा - चाहे 'कपूर एंड संस' में दादाजी का रोल हो या सोशल मीडिया पर उनकी बिंदास कमेंट्स - हमेशा फैंस का दिल जीतती थी। ट्विंकल का कहना है, 'ऋषि अंकल का वो ट्वीट मेरे जन्मदिन का सबसे मजेदार गिफ्ट था।'

धनश्री वर्मा जानबूझकर उड़ा रहीं युजवेंद्र चहल की धज्जियां? किस चालाकी से कर रहीं खुद की इमेज साफ

(जीएनएस)।

ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर आ रहे शो 'राईज एंड फॉल' में युजवेंद्र चहल की एक्स वाइफ धनश्री वर्मा भी हैं। वह इस शो में बतौर कंटेस्टेंट आई हैं और चहल के बारे में कई बातें वह अब तक कह चुकी हैं। धनश्री वर्मा की बातों से लग रहा है कि वह इस शो में खुद की इमेज ठीक करने के लिए आई हैं।

धनश्री वर्मा ने खुद ही इस शो में अपने एक्स हसबैंड की इज्जत करने और अपने तलाक आदि चीजों पर कोई बात नहीं करने को कहा था। वह यह भी कहती हुई नजर आई थीं कि मेरा एक रिलेशनशिप था, मैं उसका सम्मान करती हूं। इस पर बात नहीं करूंगी।

उनको अपने ये शब्द याद रहने चाहिए लेकिन कई बार चहल को उन्होंने गलत साबित करने का प्रयास करते हुए बयानबाजी की है। यह भी ऐसे समय में हो रहा है, जब चहल वहां मौजूद नहीं हैं। नयनदीप, आदित्य नारायण और कुबरा के साथ बातें करते हुए धनश्री ने चहल की धज्जियां उड़ाने का पूरा प्रयास किया है।

चहल के ऊपर सबसे बड़ा आरोप

हाल ही में एक एपिसोड में धनश्री ने चहल के ऊपर अब तक का सबसे बड़ा आरोप लगाया है। धनश्री ने कहा कि मैंने शादी के शुरूआती दो महीनों में ही चहल को चीटिंग करते हुए पकड़ लिया था। इस बयान के क्या मायने हैं, यह धनश्री को अच्छी तरह मालूम है लेकिन जानबूझकर इस बात को यहां उछालने का प्रयास किया गया है।

अगर शुरूआती दो महीने में ही ऐसा था, तो धनश्री ने चार साल बाद तलाक क्यों लिया? यह बड़ा सवाल है। सोशल मीडिया पर भी इसका जिक्र है। सोशल वर्क से जुड़ीं दीपिका नारायण ने भी यही सवाल किया है। अपने एक्स हैंडल पर उन्होंने लिखा कि उसने दो महीने में उसे धोखा करते रंगे हाथ पकड़ लिया था, लेकिन 4.75 करोड़ की एलिमनी लेने के लिए तीन साल तक इंतजार किया। अब इसमें कोई हैरानी नहीं है कि चहल ने 'बी योर ऑन सुगर डैडी' लिखी टीशर्ट पहनी थी।

एलिमनी पर क्या कहा

इससे पहले धनश्री ने एलिमनी की रकम को लेकर कहा था कि मेरे बारे में नेगेटिव प्रचार किया गया था, मैं इतना कह सकती हूं कि कुछ भी सच नहीं है। धनश्री ने यहां तक कहा था कि चहल की तरफ से मेरे खिलाफ नेगेटिव प्रचार किया गया था, ताकि मैं मुंह ना खोल दूं। हाल ही में एक इंटरव्यू में धनश्री ने ऐसी बातें नहीं कही थी लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ चहल के ऊपर गंभीर आरोप जड़कर खुद की इमेज बचाने जैसा काम दिख रहा है। देखना होगा कि चहल की तरफ से इस मामले पर क्या प्रतिक्रिया आती है। फिलहाल आरोप एकतरफा हैं, इस वजह से धनश्री को सही मान लेना ठीक नहीं है क्योंकि जिस शख्स पर आरोप लगाए गए हैं, वह खुद को डिफेंड करने के लिए उस जगह मौजूद नहीं है।

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर जाएंगे बिग बॉस? शो में होने वाला है बड़ा बदलाव, क्या है इसका कारण

(जीएनएस)।

चर्चित विवादास्पद टीवी रियलटी शो बिग बॉस में समय-समय पर कुछ न कुछ ऐसा होता है, जिसकी कल्पना ना दर्शक करते हैं और ना ही अंदर बैठे कंटेस्टेंट इसके बारे में सोच सकते हैं। कुछ ऐसा ही इस बार होने वाला है, जब शो में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी।

दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर बिग बॉस में जाने वाले हैं। यहां सवाल खड़ा होता है कि वह आईपीएल और घरेलू क्रिकेट से अपना करियर अच्छी तरह चला रहे हैं, तो बिग बॉस में जाने की आवश्यकता क्यों पड़ गई। इसका जवाब भी काफी दिलचस्प है।

रिपोर्ट के अनुसार दीपक अपनी बहन मालती को छोड़ने के लिए बिग

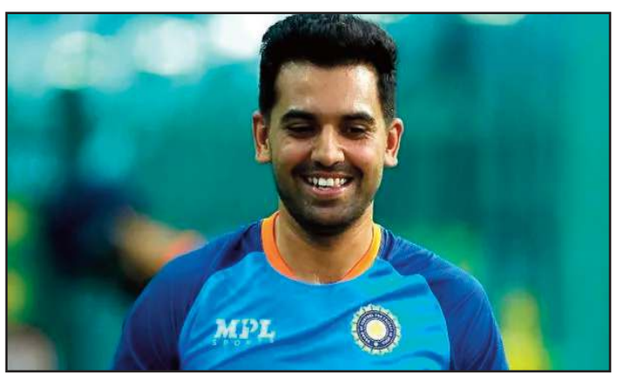

बॉस जाने वाले हैं। मालती इस शो का हिस्सा बन सकती हैं लेकिन इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मालती अगर वहां जाती हैं, तो यह एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी। वाइल्ड कार्ड से जीतने के आसार कम ही होते हैं। अब तक एल्विश यादव ही एकमात्र कंटेस्टेंट हैं, जो वाइल्ड कार्ड में जाकर शो जीते थे, हालांकि वह ओटीटी वाला बिग बॉस था।

कौन हैं मालती चाहर

मालती चाहर को पहले से ही लोग जानते हैं। हालांकि वह दीपक की बहन हैं लेकिन एक्टिंग में उन्होंने कुछ काम भी किया है। 7 फेरे ए ड्रीम हाउसवाइफ, जीनियस, सदा वियाह होया जी आदि फिल्मों में उन्होंने काम किया है। इसके अलावा वह कई मॉडलिंग प्रोजेक्ट में भी शामिल रही हैं। वह मिस इंडिया अर्थ 2009 का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। इसके अलावा फेमिना मिस इंडिया में सेकंड रनर अप भी रही थीं।

कौन हुआ है शो से बाहर?

इस सीजन अब तक दो कंटेस्टेंट अब तक बाहर हो गए हैं। आवेज दरबार और उनकी गर्लफ्रेंड नगमा इस शो से एलिमिनेट हुए हैं।

'12 सालों में सनातनियों के साथ सबसे ज्यादा छल मोदी ने किया', शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने क्यों कहा ऐसा?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले सियासत ने नया मोड़ ले लिया है। इस बार लालू यादव-तेजस्वी और नीतीश कुमार के साथ-साथ सुर्खियों में जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी हैं। सीवान में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर सीधा वार किया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, "बीते 12 सालों में सनातनियों के साथ सबसे बड़ा छल मोदी ने ही किया है।" शंकराचार्य ने याद दिलाया कि 2014 में जब मोदी सत्ता में आए तो उनके भाषणों में गौ रक्षा और हिंदुत्व बड़े वादे थे। साधु-संत और आमजन उस समय प्रभावित हुए थे और बड़ी संख्या में समर्थन दिया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद,

शंकराचार्य के मुताबिक, न तो गौ हत्या रुकी और न ही हिंदुत्व की रक्षा के वादों पर अमल हुआ।

केवल मोदी ही नहीं, शंकराचार्य ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा - "योगी जी गो रक्षा पीठ के मठाधीश हैं, लेकिन उनके ही राज्य में सबसे ज्यादा गाय काटी जा रही हैं और वे चुप्पी साधे हुए हैं।" यह बयान सीधा उस छवि पर सवाल खड़ा करता है, जिसके लिए योगी आदित्यनाथ देशभर में पहचाने जाते हैं।

गृहमंत्री अमित शाह को भी शंकराचार्य ने नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सीतामढ़ी में अमित शाह ने वादा किया था कि तीसरी बार सत्ता में आने पर गौ हत्यारों को उल्टा लटका देंगे। लेकिन एक साल से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद भी किसी पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई।

रावण दहन, पुतले जलते हैं, पर बुराई का क्या?

रामराज्य क्यों नहीं आता? क्योंकि राम तो सिर्फ कहानियों में रह गए,

(जीएनएस)।

लखनऊ। हर साल की तरह इस बार भी दशहरा आया। लखनऊ की गलियों से लेकर देश के कोने-कोने तक, रावण के विशालकाय पुतलों ने आसमान को लाल रंग से रंग दिया। पटाखों की गूँज, मेलों की चहल-पहल, और राम-रावण के नाटकीय युद्ध ने हर मोहल्ले को रामायण की रंगत में डुबो दिया। बच्चे तालियाँ बजाते, बूढ़े मुस्कुराते, और जवान सेल्फी लेते, सब एकजुट होकर उस पल के गवाह बने, जब तीर ने रावण के अहंकार को भेदा और आग ने उसके पुतले को निगल लिया। मगर धुआँ छँटने के बाद, जब भीड़ अपने घरों को लौटी, एक सवाल हवा में तैरता रह गया, पुतला तो जल गया, लेकिन समाज में पल रहे रावणत्व का क्या?

रामायण की कहानी हमें सिखाती है कि सत्य की जीत तय है, चाहे वह कितना ही अकेला क्यों न हो। रावण, वह दस सिरों वाला महाज्ञानी, जिसके पास देवताओं का वरदान और बुद्धि का खजाना था, अपने अहंकार और अधर्म के कारण धूल में मिल गया। दशहरा हमें यही सबक देता है, ताकत का सही इस्तेमाल करो, वरना वक्त तुम्हें घुटनों पर ला देगा।

लेकिन विडंबना देखिए, हम पुतले जलाते हैं और असली रावण को सलाम करते हैं। हाय रे हमारी समझ! जरा गौर कीजिए! जब रावण का पुतला जल रहा था, तब मंच पर तालियाँ बजा रहे लोग क्या वाकई

सत्य के सिपाही थे? या यह बस एक सालाना तमाशा था, जिसे निभाकर हमने अपने कर्तव्यों की इतिश्री मान ली? क्योंकि अगर हम सचमुच सत्य के साथ खड़े होते, तो शायद हमारे समाज में रावणत्व को इतनी खुली छूट न मिलती। आज का रावण कोई दस सिर वाला राक्षस नहीं, जो लंका में बैठकर साजिश रच रहा हो। वह तो हमारे बीच घूम रहा है, कभी सत्ता के गलियारों में, कभी चमचमाती गाड़ियों में, और हाँ, कभी-कभी तो हमारे अपने मन के अंधेरे कोनों में।

वह भ्रष्ट लोग है, जिसे हम चुनते हैं, क्योंकि काम तो करवाता है। वह लोग जो कारोबारी है, जिसके काले धन को हम सफलता का ताज पहनाते हैं। और सबसे बढ़कर, वह हमारा वह छोटा-सा स्वार्थ है, जो हमें गलत को देखकर चुप रहने को मजबूर करता है। कितने शानदार लोग हैं हम! रावण को जलाते हैं और रावणत्व को सींचते हैं। पहले के जमाने में, अगर कोई भ्रष्टाचारी या अपराधी किसी समारोह में आता, तो लोग उससे दूरी बनाते थे। और आज? अगर वही शख्स आपके घर दावत में आ जाए, तो आप गर्व से इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हैं, देखो, मेरे यहाँ कितना बड़ा बलवान आया! बलवान, जो समाज को डराने-धमकाने का ठेका ले रखा है। और हमने बुराई को बुराई कहना बंद कर दिया, अब वह हमारे लिए पावर और प्रभाव का पर्याय बन चुकी है। वाह रे, हमारी नैतिकता!

और तो और, पुतला दहन की यह पवित्र रस्म निभाने अक्सर वही लोग जाते हैं, जिनके ऊपर आपराधिक मुकदमों की फेहरिस्त लंबी होती है। राम तो किताबों में सिमट गए, पुतले जलाने का ठेका तो अब रावणत्व से ग्रस्त लोगों ने ले लिया है! दशहरा सिर्फ मेलों और पटाखों का त्योहार नहीं, बल्कि एक मौका है, खुद से सवाल करने का, अपने समाज को आँकने का। इस बार, जब हम रावण का पुतला जलाएँ, तो अपने भीतर की उस छोटी-सी लंका को भी जलाने का संकल्प लें, जो डर, लालच, और अहंकार की ईंटों से बनी है।

आइए, इस दशहरे पर राम की सीख को किताबों से निकालकर जिंदगी में उतारें। अगली बार जब कोई भ्रष्ट या अनैतिक शख्स हमारे सामने आए, तो उसे पावरफुल समझने की बजाय, उसके रावणत्व को पहचानें। क्योंकि अगर हम ऐसा नहीं करते, तो हर साल पुतले तो जलते रहेंगे, मगर समाज में रावणत्व यूं ही फलता-फूलता रहेगा। और तब यह दशहरा बस एक खोखला तमाशा बनकर रह जाएगा, एक ऐसा उत्सव, जहाँ हम सत्य की जीत का जश्न तो मनाते हैं, मगर उसे जीने की हिम्मत नहीं जुटाते।

तो सवाल यह है, बाहरी पुतले जलाने से क्या हासिल, जब हमारे दिल में बुराई का परमिट अब भी जेब में पड़ा है? रावण को जलाना आसान है, मगर रावणत्व को जलाने का साहस कौन दिखाएगा? शायद वक्त है कि हम अपने भीतर के राम को जगाएँ, नहीं तो यह पुतला-दहन बस एक सालाना रस्म बनकर रह जाएगी!

नौहझील पुलिस ने गैर इरादन हत्या के चार आरोपी किए गिरफ्तार : जनपद से फरार होने से पहले पुलिस ने दबोचे

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित अलीगढ़ बॉर्डर के पास से पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ फरार चल रहे अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गैर इरादतन हत्या के आरोप में फरार चल रहे चार आरोपी, जनपद से बाहर भागने की फिराक में अलीगढ़ बॉर्डर के निकट मतस्य विभाग की नर्सरी फार्म के पास खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह पुलिस टीम में एसएसआई संजय कुमार, एसआई रजत गर्ग, एसआई संदीप राणा, एसआई कपिल कुमार, मुख्य आरक्षी दलेल सिंह, दीपक चौधरी और सौरभ कुमार आदि के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस की गाड़ी को देखते ही वहां खड़े आरोपी भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे धर्मपाल पुत्र चरण सिंह, देवदत्त उर्फ भूरा पुत्र चरण सिंह, रघुनंदन उर्फ कालू पुत्र उम्मेद सिंह और रोहित कुमार पुत्र देवदत्त निवासीगण गांव विजयगढ़ी थाना नौहझील को घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाठी, डंडा और फावड़े के बैंटे बरामद किए हैं। घटना की पृष्ठभूमि के अनुसार विगत 30 सितंबर को गांव विजयगढ़ी में भाइयों और भतीजों के बीच में लाठी-डंडों से मारपीट हुई थी। उसी दौरान राधाचरन के सिर में चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई थी। उसी समय से पुलिस घटना में शामिल आरोपियों की तलाश कर रही थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

शराब के पैसे न देने पर की थी राजकुमार की हत्या : पुलिस ने दो हत्यारोपी दबोचे

मथुरा (जीएनएस)। थाना महावन क्षेत्र स्थित खप्परपुर रोड़ से पुलिस ने रेहड़ी वाली की हत्या करने वाले दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार करके हत्याकांड का खुलासा कर दिया। जानकारी के अनुसार पिछले दिनों थाना महावन क्षेत्र में की गई एक व्यक्ति की हत्या का खुलासा करने के लिए थाना प्रभारी महावन सुधीर कुमार और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम के साथ सुराग तलाश रहे थे। उसी बीच पुलिस को अहम सुराग मिल गए। इसके बाद पुलिस टीम फरार हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के लिए दबिशें दे रही थी। उसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या करके फरार चल रहे हत्यारोपी कहीं भागने की फिराक में खप्परपुर रोड़ से जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुधीर कुमार और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम में एसएसआई ध्यानवीर सिंह, एसआई अरविंद कुमार, एसआई विषय कुमार, एसआई अमित त्यागी, एसआई लोकेश कुमार, सर्विलांस टीम के मुख्य आरक्षी राघवेंद्र तोमर, हरवीर सिंह, थाना महावन के मुख्य आरक्षी देवेन्द्र कुमार, लवकुश, दिनेश कुमार, ओमकार और सुदीप कुमार के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान वहां होकर जा रहे हत्यारोपी सामने पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे हत्यारोपी उमेश पुत्र बिजेन्द्र और छोटू उर्फ हरीशचन्द्र पुत्र महीपाल निवासीगण गांव कारब थाना महावन को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त रेहड़ी में लगी हुई बाइक, तख्ता, रस्सा और लोहे का पाइप बरामद किया है। बताते चलें कि विगत 22 सितंबर को एसवीएस इंटरनेशनल अकेडमी के पास राजकुमार पुत्र रामस्वरूप निवासी गांव अधकटा थाना बरखेड़ा जिला पीलीभीत का रक्तरंजित शव पड़ा मिला था। घटना का खुलासा करने के लिए महावन पुलिस और सर्विलांस टीम ने सैंकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की तो पुलिस को अहम सुराग मिल गए। इसके बाद पुलिस ने हत्यारोपी उमेश और छोटू उर्फ हरीशचन्द्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि विगत 22 सितंबर की रात में गांव कारब के पास में शराब के ठेके के सामने मृतक से शराब के लिए पैसे मांगने को लेकर उनका झगड़ा हो गया था। बताया कि झगड़े के कुछ देर बाद वह शराब के नशे में होने के बाद मृतक राजकुमार को बाइक में लगी रेहड़ी में बिठाकर एसवीएस एकेडेमी के पास खेतों में ले गए थे और रेहड़ी में रखे रस्से से राजकुमार के दोनों हाथ बांधकर रेहड़ी में लगे तख्ते, रॉड और लोहे का पाइप से प्रहार करके हत्या की थी। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

विजयदशमी के पावन पर्व पर शस्त्र पूजन एवं भगवान राम की शक्ति पूजा

क्षत्रिय सेवा सद्भाव समिति द्वारा विजयादशमी के पावन पर्व पर श्रीराम की शक्ति पूजा एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम समिति के संस्थाध्यक्ष श्री राजवीर सिंह के आवास 'केसुविला', खीरी रोड पर श्रद्धा एवं भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में समिति के संरक्षक डॉ. अरुण सिंह ने राम की शक्ति पूजा का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त करने हेतु देवी शक्ति की साधना की थी। इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि धर्म, न्याय और सत्य की स्थापना के लिए शक्ति और साहस आवश्यक है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री डॉ॰आर पी एस चौहान जी ने समाज की एकता एवं संगठन पर बल देते हुए कहा कि हम सबको अपने शस्त्रों का पूजन केवल परंपरा के लिए नहीं, बल्कि धर्म, राष्ट्र और समाज की रक्षा के संकल्प के साथ करना चाहिए।

संस्थाध्यक्ष श्री राजवीर सिंह जी ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज सदा से धर्म, सत्य और राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित रहा है। ऐसे कार्यक्रम समाज में एकता, शक्ति और सद्भाव का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारीगण झसचिव श्री शिशिर सिंह , कोषाध्यक्ष श्री रामवीर सिंह डॉ॰ संजय तोमर जी, उदयवीर सिंह, गोपाल दत्त सिंह, राजू सिंह, कुँ शैलेन्द्र सिंह, जितेन्द्र प्रताप सिंह, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, चंद्रशेखर सिंह, अमर सिंह, अरुण सिंह(उर्रा) रमेश सिंह, पंकज चौहान, अखिलेश सिंह ऐड ०, विजय प्रताप सिंह'बबलू 'ऐड॰ , अजय सिंह ऐड ०, अमित सिंह बंटी, कार्तिकेय सिंह, सरस सिंह, मनोज सिंह, हरिवंश भदौरिया , उपेन्द्र सिंह, आयुष प्रताप सिंह, अथर्व प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने मिलकर शस्त्र पूजन किया और धर्म, समाज एवं राष्ट्रहित में सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया॥

गांधी-शास्त्री के रास्ते पर चल रहे, कुरआन है पास, राम-मोहम्मद दोनों में है विश्वास- तेज प्रताप

(जीएनएस)।

विजयदशमी (दशहरा) के शुभ अवसर पर जनशक्ति जनता दल (खखऊ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार में मंत्री रह चुके तेज प्रताप यादव ने बिहार की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर उनकी पार्टी दशहरे के बाद गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर सीट-बंटवारे और चुनावी रणनीति की घोषणा करेगी।

जनता के लिए सबकुछ कुबार्नः तेज प्रताप

तेज प्रताप यादव ने विजयदशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा, "हम जनता के लिए हैं, जनता के लिए ही राजनीति करते हैं और जनता के लिए अपना सबकुछ कुर्बान कर दिया है। हमारी पार्टी की सोच साफ है कि जनसेवा सर्वोपरि है।" इस दौरान उन्होंने देशवासियों को पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती की भी बधाई दी और कहा कि उनकी पार्टी गांधीवादी और शास्त्रीजी के विचारों पर विश्वास करती है।

तेज प्रताप यादव ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा, "आजादी की लड़ाई में आरएसएस का कोई योगदान नहीं था। महात्मा गांधी के साथ क्या हुआ, यह देश जानता है। हम गांधीवादी हैं और गांधी, लाल बहादुर शास्त्री की विचारधारा में

विश्वास रखते हैं।"

हाल ही में तेज प्रताप यादव 'आई लव मोहम्मद' बयान को लेकर सुर्खियों में आए थे। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, "सभी धर्मों का सम्मान होना चाहिए। मेरे पास कुरान शरीफ है, आओ और मुझे गिरफ्तार करो। मैं पैगंबर मोहम्मद में विश्वास रखता हूं। हम सभी धर्मों में विश्वास करते हैं। मैं राम में भी विश्वास रखता हूं। किसी का अपमान नहीं होना चाहिए।"

गठबंधन और चुनावी समीकरण

इस बयान के साथ उन्होंने साफ किया कि उनकी राजनीति किसी एक धर्म पर आधारित नहीं है, बल्कि सभी धर्मों को साथ लेकर चलने की है तेज प्रताप यादव ने संकेत दिया कि दशहरे के बाद उनकी पार्टी न सिर्फ गठबंधन की रणनीति बल्कि सीटों के बंटवारे का भी खाका पेश करेगी। सूत्रों की मानें तो जनशक्ति जनता दल (खऊऊ) छोटे-छोटे जातीय समीकरणों और सामाजिक वर्गों को साधते हुए बिहार की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रही है।

राजनीतिक हलकों में चर्चा

तेज प्रताप यादव के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

कोसीकलां पुलिस ने दबोचा एक तस्कर : भारी मात्रा में गांजा बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित न्यू कामर रोड़ से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी कोसीकलां अजय कौशल के नेतृत्व में एसआई मुनेन्द्र पाल सिंह पुलिस टीम के साथ अवैध शराब और मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि न्यू कोसी-कामर रोड़ पर एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय कौशल के निर्देशन में एसआई मुनेन्द्र पाल सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास कर रहे शातिर तस्कर नीरज पुत्र मथुरा प्रसाद निवासी रुकमणी विहार कॉलोनी, बीएसए रोड़ थाना कोतवाली, मथुरा मूल निवासी गांव जौनाई थाना जैंत, मथुरा को घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 1 किलो 140 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कोतवाली की मिशन शक्ति टीम ने दबोचा अन्तर्राज्यीय वाहन चोर : चोरी की तीन बाइक बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित जैन मंदिर के पास से मिशन शक्ति टीम ने एक अन्तर्राज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शातिर के कब्जे से चोरी की कई बाइक बरामद हुई हैं। जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी देवपाल सिंह पुंढीर के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम, फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए दबिशें दे रही थी। उसी दौरान मिशन शक्ति टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि जैन मंदिर के पास एक अन्तर्राज्यीय वाहन चोर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही

थाना कोतवाली पुलिस की मिशन शक्ति टीम प्रभारी मिशन शक्ति टीम प्रभारी अतिरिक्त निरीक्षक सुनील कुमार, एसआई कंचन, मुख्य आरक्षी शशि और पवित्रा शर्मा आदि वहां पहुंच गईं। पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास कर रहे अन्तर्राज्यीय वाहन चोर मनीष पुत्र सुरेश निवासी दयानंद स्कूल पातली गेट थाना भवनकुंड सिटी जिला पलवल को घेरकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर वाहन चोर के कब्जे से चोरी की 3 बाइक बरामद हुई हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

लालू से राहुल तक, दशहरा पर सबको मिला 'रावण' का टैग! सोशल मीडिया पर सियासी संग्राम

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति और त्यौहार, दोनों जब एक साथ आ जाते हैं तो नजारा ही कुछ और हो जाता है। दशहरा 2025 का दिन भी कुछ ऐसा ही रहा। आमतौर पर इस दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाता है, लेकिन इस बार बिहार की सियासत में नेताओं को ही "रावण" का टैग देकर राजनीतिक जंग छेड़ दी गई। जेडीयू, बीजेपी और आरजेडी ने सोशल मीडिया को अखाड़ा बना दिया और एक-दूसरे पर 'रावण राजनीति' का वार कर दिया।

जेडीयू ने लालू को बताया 'रावण'

जेडीयू ने दशहरा के मौके पर लालू प्रसाद यादव पर सीधा निशाना साधा। पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल से एक अकवीडियो शेयर किया गया, जिसमें लालू यादव को रावण के रूप में दिखाया गया। रावण के सिरों पर अपराध, अपहरण, लूट, हत्या, जातीय हिंसा, रंगदारी और भ्रष्टाचार जैसे शब्द लिखे गए।

बिहार की जनता बुराई का समूल नाश कर देगी

वीडियो के अंत में एक युवक को रावण दहन करते दिखाया गया, जिस पर लिखा था, "बिहार की जनता"। कैप्शन में जेडीयू ने लिखा - "इस विजयादशमी पर बिहार की जनता बुराई का समूल नाश कर देगी। बुराई हमेशा हारती आई है, इस बार भी हार होगी। जीत बिहार की होगी, जीत बिहार की जनता की होगी।"

भाजपा ने राहुल-तेजस्वी को बताया 'कलयुग का रावण'

जेडीयू के बाद बिहार भाजपा ने भी अपने चुनावी तेवर दिखाए। पार्टी के ऑफिशियल अकाउंट से एक पोस्टर जारी किया गया, जिसमें एक तरफ त्रेता युग के रावण की तस्वीर थी और दूसरी तरफ राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की।

पोस्टर पर लिखा गया, "मातृ शक्ति के अपमान का प्रतीक रावण आज भी मौजूद है, बस चेहरा बदल गया है।" भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल और तेजस्वी के मंच से पीएम मोदी की दिवंगत मां को गाली दी गई, इसलिए ये 'कलयुग के रावण' हैं। पार्टी ने एक और पोस्ट में लिखा - "2005 में रावण रूपी राजद का हुआ था नाश, अब फिर घमंडियाओं का होगा पत्ता साफ।"

आरजेडी का पलटवार - 'रावण जैसी सरकार का अंत होगा'

उधर, आरजेडी ने भी जवाबी हमला बोला और रावण दहन का वीडियो शेयर किया। 15 सेकेंड के वीडियो में कहा गया,"20 साल का अहंकार, रावण जैसी ये सरकार, अब होगा इसका संहार, आ रहे हैं तेजस्वी दिन।"

पार्टी ने कैप्शन में लिखा, "अफसरशाही, अहंकार, भ्रष्टाचार और झूठे सरकारी प्रचार के रावण का होगा अंत! बिहार में जनकल्याण, नौकरी और रोजगार का शुभारंभ होगा, जब बनेगी तेजस्वी सरकार।"

त्यौहार से राजनीति तकः रावण पर सियासत क्यों?

बिहार की राजनीति हमेशा से त्यौहार और प्रतीकों के इस्तेमाल से भरी रही है। दशहरा जैसे मौके पर जब पूरा देश रावण दहन देख रहा था, तब सियासी दलों ने इसे चुनावी हथियार बना लिया।

जेडीयू ने लालू पर 'जंगलराज' और अपराध की राजनीति का ठप्पा लगाने की कोशिश की। बीजेपी ने राहुल और तेजस्वी पर व्यक्तिगत हमले करते हुए उन्हें 'कलयुग का रावण' करार दिया। आरजेडी ने सत्ता पक्ष को घेरते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ही असली रावण है, जिसका अंत अब होना तय है।

चुनावी साल में 'रावण राजनीति'

2025 का यह चुनावी साल पहले से ही बेहद गर्म है। वोटर लिस्ट से लेकर गठबंधन की खींचतान तक हर मुद्दे पर पार्टियां एक-दूसरे पर बरस रही हैं। लेकिन दशहरा पर 'रावण' टैग ने माहौल को और ज्यादा गरमा दिया। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया। समर्थक और विरोधी दोनों ही तरह के मीम्स, वीडियो और पोस्ट शेयर कर रहे हैं। फेसबुक, ट्विटर ( ) और इंस्टाग्राम पर हैशटैग ट्रेंड करने लगे हैं। त्यौहारों को लेकर राजनीति कोई नई बात नहीं है, लेकिन बिहार जैसे राज्य में जहां प्रतीक और भावनाएं वोटों पर सीधा असर डालती हैं, वहां यह और भी अहम हो जाता है। दशहरा पर नेताओं को 'रावण' बताने की यह सियासत आने वाले हफ्तों में और तेज हो सकती है।